Name: _____ Date: _____

कबीर की साखियाँ

प्रश्न-1 सभी मनुष्य एक ही प्रकार से देखते-सुनते हैं पर एकसमान विचार नहीं रखते। सभी अपनी-अपनी मनोवृत्तियों के अनुसार कार्य करते हैं। पाठ में आई कबीर की किस साखी से उपर्युक्त पंक्तियों के भाव मिलते हैं, एकसमान होने के लिए आवश्यक क्या है? लिखिए।

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-2 कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है? ज्ञात कीजिए।

उत्तर _____

_____

_____

_____

प्रश्न-3 कबीर के सखियाँ हमें क्या संदेश देती हैं?

उत्तर _____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com/

कबीर की साखियाँ

प्रश्न-1 सभी मनुष्य एक ही प्रकार से देखते-सुनते हैं पर एकसमान विचार नहीं रखते। सभी अपनी-अपनी मनोवृत्तियों के अनुसार कार्य करते हैं। पाठ में आई कबीर की किस साखी से उपर्युक्त पंक्तियों के भाव मिलते हैं, एकसमान होने के लिए आवश्यक क्या है? लिखिए।

उत्तर "आवत गारी एक है, उलटत होइ अनेक।

कह कबीर नहिं उलटिए, वही एक की एक।।"

एकसमान होने के लिए आवश्यक है कि सब के विचार एक जैसे हों।

प्रश्न-2 कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है? ज्ञात कीजिए।

उत्तर साखी शब्द संस्कृत के शब्द साक्षी का तदभव रूप है। इसका अर्थ है - प्रमाण। साखी में जीवन मूल्य तथा सत्य चित्रण किया गया है। कबीर ने अपने अनुभवों को दोहों के रूप में कहा है। प्रामाणिक होने के कारण ही कबीर के दोहों को साखी कहा जाता है।

प्रश्न-3 कबीर के सखियाँ हमें क्या संदेश देती हैं?

उत्तर कबीर के सखियाँ हमें यह संदेश देती हैं कि हमें साधु से उनकी जाति न पूछ कर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। किसी से भी हमें कटु वचन नहीं बोलना चाहिए। ईश्वर की भक्ति हमें स्थिर मन से करना चाहिए। हमें अपना स्वभाव शांत रखना चाहिए और सभी को समान भाव से देखना चाहिए।

https://educationwithfun.com